



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



Cadaver Organ Donor

Lt. Meet Bharatbhai Patel

He Donated: Kidney, Liver & Pancreas

Date:- 01/03/2019

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे� के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

Brain-dead boy gives new life to four persons

TIMES NEWS NETWORK

Surat: Organs of a 16-year-old class X student have given a new lease of life to four persons.

Meet Patel, a student of Swaminarayan Gurukul School of Bhilad in Valsad district, was going with his father Bharat Patel, an electrician, on a motorcycle when a truck rammed into their two-wheeler near State Bank of India in Bhilad on February 26. Seriously injured on head, the boy was rushed to Rainbow Hospital in Vapi and then shifted to Mahavir Trauma Hospital in Surat. He had a swelling on brain together with improper blood circulation. He was declared brain-dead on February 28 by doctors.

Meet's father, mother Shilpa, sister Ayushi and brother Mann agreed to donate his organs when volunteers from Donate Life, a non-government organization, approached them. They said if his organs can help give someone a new life, they were willing to donate them.

A team of doctors from



Meet Patel

Meet Patel had suffered severe head injuries when a truck rammed into his bike on February 26 near Bhilad

Institute of Kidney Diseases and Research Centre, Ahmedabad harvested Meet's organs. One of his kidneys was transplanted into the body of Ratan Waghela, 36, a resident of Ahmedabad, and another into Rajendrasinh Sayania, 66, a native of Bharuch. Recipients of Meet's liver and pancreas were Alpesh Bhalani, 45, a resident of Ahmedabad, and Popat Odedara, 39, a resident of Mangrol, respectively.



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

Class 10 student gives life to four others

Meet Patel, 16, was declared brain dead after he met with an accident; his parents donated his kidneys, liver and pancreas

| Ahmedabad Mirror Bureau
amfeedback@timesgroup.in

TWEETS @ahmedabadminrror

A 16-year-old student from Valsad gave life to four others after his parents decided to donate their son's organs after he was declared brain dead after an accident. Victim Meet Patel was to appear for his Class 10 board exams with his twin brother Mann later this month. They are students of Swaminarayan Gurukul, Valsad.

Meet's kidneys, liver and pancreas were transplanted into four people on March 1. His heart could not be donated as it had become weak due to trauma during the accident that claimed his life. While his one kid-



Meet Patel also has a twin brother named Mann

ney went to Ratanben Vaghela, 36, of Ahmedabad, the other went to Rajendrasinh Sayaniya, 66, of Bharuch. His liver was transplanted into Alpesh Bha-

lani 45, of Ahmedabad and his pancreas gave new life to Popat Odedara, 39, of Mangrol. All the transplants were carried out at IKDRC in Ahmedabad by Dr Pranjali Modi.

The accident took place on Monday, February 26. Meet was riding pillion on a motorcycle with his father to have some papers printed as study material for his upcoming board exams when a truck hit their vehicle and Meet was thrown off, sustaining grievous injuries to his head, chest and waist.

He was admitted to Mahavir trauma hospital in Surat. Dr Karsan Nandaniyani treated him there but blood stopped to brain due to the injuries, leading to swelling in the head. Meet was declared brain dead on February 28.



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

वलसाड में सड़क हादसे में हुई थी मौत

मीत के अंगदान से 4 को मिली नई जिंदगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत, वलसाड जिले के सोलह वर्षीय मीत भरत पटेल के अंगों के दान से चार जनों को नई जिंदगी मिली है। उसकी सड़क हादसे में मौत हो गई थी।

वलसाड जिले की उमरगाम तहसील में खुलातपाडा फलिया निवासी मीत भरत पटेल (16) भीलाड के स्वामीनारायण गुरुकुल में दसवीं कक्ष का छात्र था। वह 26 फरवरी को पिता भरत पटेल के साथ बाइक पर जेरोक्स करवाने गया था। भीलाड चार रास्ता के पास एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे



से उसे सूरत महावीर अस्पताल रैफर कर दिया गया। चिकित्सकों ने 28 फरवरी को उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ के प्रमुख नीलेश मांडलेवाला ने उसके परिजनों को अंगदान की जानकारी दी। परिजनों से सहमति मिलने के बाद अहमदाबाद आइकेडीआरसी के डॉ. जमाल रिजवी को किडनी, लीवर

में मीत के सिर, कमर और छाती में गंभीर चोट आई। उसे वापी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहाँ

और पेन्क्रीयाज का दान स्वीकारने के लिए कहा गया। दान में मिली एक किडनी अहमदाबाद निवासी रतन संदीप वाघेला (36), दूसरी भरुच निवासी राजेन्द्र मुलजी सयानीया (66), लीवर अहमदाबाद निवासी अल्पेश दिनेशचन्द्र भलाणी (45) और पेन्क्रीयाज सूरत के मांगरोल तहसील निवासी पोपट मेरु ओडेदरा (39) में ट्रांसप्लान्ट किया गया।

सूरत और दक्षिण गुजरात से अब तक डोनेट लाइफ संस्था ने 285 किडनी, 118 लीवर, 7 पेन्क्रीयाज, 21 हृदय और 234 चक्षुओं का दान स्वीकार कर 662 व्यक्तियों को नया जीवन दिया है।

कोली पटेल समाज के ब्रेनडेड मीत के अंगदान से चार व्यक्तियों को मिला नया जीवन

लोकतेज संवाददाता

सूरत। कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा छात्र पिता के साथ जेरोक्स कराने गया था। इसी बीच अचानक ट्रक चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। इस घटना में मीत गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मीत को ब्रेनडेड घोषित किया। ब्रेनडेड मीत के अंगदान का निर्णय परिवार के सदस्यों ने लिया, जिससे अन्य चार लोगों के नया जीवन मिला।

वलसाड जिले में सरीगाम के पास दहली गांव निवासी 16 वर्षीय मीत भरत पटेल कक्षा 10 में अध्यास करता था। गत 26 फरवरी को बोर्ड परीक्षा की तैयारी



हेतु पिता भरतभाई के साथ बाईक पर जेरोक्स कराने के लिए गया था। तभी अचानक ट्रक ने भरतभाई की बाईक को टक्कर मारने से हुई दुर्घटना में मीत को गंभीर चोट आयी थी। वापी की रेहिनबो होस्पिटल में प्राथमिक चिकित्सा के बाद अधिक चिकित्सा के लिए मीत को सूरत महावीर अस्पताल में लाया गया। 28 फरवरी को न्युरोसर्जन हस्पिट सोजित्रा ने मीत को ब्रेनडेड घोषित किया। अस्पताल

के चिकित्सक एवं डोनेट लाइफ संस्था के अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला के समझाने पर परिवार के सदस्य मीत के अंगदान को तैयार हुए। दान में मिली किडनी अहमदाबाद की रतनबेन वाघेला उम्र 36 तथा दूसरी किडनी भरुच के राजेन्द्रसिंह सयानीया उम्र 66 को डोनेट की गयी।

जबकि अहमदाबाद के अल्पेश दिनेशचन्द्र भलाणी उम्र 45 को लीवर ट्रांसप्लान्ट किया गया तथा स्वादुपिंड मांगरोल के पोपटभाई ओडेदरा उम्र 39 में ट्रांसप्लान्ट हुयी। समग्र दक्षिण गुजरात से अभी तक डोनेट लाइफ द्वारा 285 किडनी, 118 लीवर, 7 पेन्क्रीयास, 21 हृदय, 234 चक्षु दान करके 662 व्यक्तियों को नया जीवन दिया।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

वलसाड के उमरगांव का निवासी था मीत पटेल, सूरत में चल रहा था इलाज

हेल्प रिपोर्ट | सूरत

एक किशोर 26 फरवरी को बाइक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे महावीर अस्पताल में एडमिट गया। इलाज के दौरान 28 फरवरी को डॉक्टरों ने पाया कि उसका ब्रेन डेड हो गया। अस्पताल ने डोनेट लाइफ संस्था को जानकारी दी। संस्था ने परिजनों से संपर्क कर उन्हें मीत पटेल (ब्रेनडेड) अंग दान के लिए राजी किया। इसके बाद किशोर के अलग-अलग अंग चार लोगों में ट्रांसप्लांट किए गए, जिससे उन्हें नया जीवन मिला। मृतक 10वाँ का छात्र था। 7 मार्च को होने



10वाँ के छात्र का बाइक स्लिप से हुआ ब्रेन डेड, परिजनों ने अंगदान कर चार को दिया नया जीवन

वाली बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा था। वलसाड के उमरगांव तहसील के दहली गांव निवासी 16 वर्षीय मीत भरत भाई पटेल 26 फरवरी को पिता के साथ बाइक से कहीं जा रहा था। गरस्ते में भीलाड स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया बैंक के सामने उसकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया।

बाद में उसे महावीर अस्पताल रेफर किया गया। सिर में गंभीर चोट से स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो रहा था। 28 फरवरी को उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। अस्पताल ने इसकी जानकारी डोनेट लाइफ संस्था को दी। संस्था की मदद से परिजन अंगदान करने के लिए तैयार हो गए। आईकेडीआरसी अस्पताल को सूचना दी गई। उनकी टीम ने अंगदान स्वीकार किया।

सार्थक पहल: किडनी, लीवर व पेनक्रियाज का ट्रांसप्लांट

16 वर्षीय मीत भरत भाई पटेल का परिजनों ने किडनी, लीवर और पेनक्रियाज दान किया। दान में मिली एक किडनी अहमदाबाद निवासी 36 वर्षीय रतन-बेन संदीप वाघेला में, दूसरी किडनी भरुच निवासी 66 वर्षीय राजेंद्र सिंह सथानिया में, लीवर अहमदाबाद के 45 वर्षीय अल्पेश थलानी में और पेनक्रियाज मांगरोल निवासी 39 वर्षीय पोपट खेडेदरा में सफलता पूर्वक ट्रांसप्लांट किया गया। सभी अंगों का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद स्थित आईकेडीआरसी अस्पताल में किया गया।

प्रेरणा: ट्रांसप्लांट से अब तक 552 लोगों को नया जीवन मिल चुका

डोनेट लाइफ संस्था की माने तो अब तक संस्था ने 285 किडनी, 118 लीवर, 21 हाईट, 234 कार्बिंग और 7 पेनक्रियाज दान करवाए हैं, जिससे 552 लोगों को नया जीवन मिला है। संस्था के अनुसार सूरत देश में अंगदान के मामले में सबसे आगे है। सूरत के लोग अंगदान को लेकर बहुत जागरूक हैं। उन्हें अंगदान का महत्व पता है।

कक्षा 10 के छात्र ने महकाई चार व्यक्तियों की जिन्दगी



वीओटी संवाददाता

सूरत, 1 मार्च

सूरत ज़िले के वलसाड तालुका में स्थित भीलाड के पास दहली गांव में रहनेवाले कक्षा 10 के छात्र ने दुर्घटना के बाद अंगों का दान कर 4 लोगों की जिन्दगी महकाई है।

भीलाड में स्थित स्वामीनारायण गुरुकुल में कक्षा 10 में पढ़नेवाले 16 वर्षीय किशोर मीत भरत

पटेल पिता के साथ 26 फरवरी को बाइक पर झोरोक्ष करवाने के लिए जा रहा था। तभी एक अज्ञात ट्रक चालक ने बाइक को टक्कर मारी और जिसमें मीत बाइक पर से नीचे गिर गया। इस दुर्घटना में मीत को सर तथा कमर और छाती पर गंभीर चोंच पूर्ण हो गया। तल्काल उड़ावायी में रेन्डे अस्पताल में ले जाया गया। जहां से प्राथमिक इलाज कर अधिक इलाज के लिए सूरत की महावीर ट्रोपा अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां सेटी स्केन करवाने पर छोटे दिमाग में खुन का परिभ्रमण बढ़ हो जाने का स्पष्ट होने पर मीत को ब्रेन डेड घोषित किया गया।

एक भाई और बहन वाले

मित के अंगों का दान करने के लिए परिवार को समझाया गया। मीत के पिता भरत ने भी मामा की उनका पुत्र ब्रेन डेड है और भृत्य निश्चित है। ऐसे में अंगों का दान कर किंदनी मिलती हो तो गलत नहीं है। इसके बाद मातृ की किडनी, लीवर और स्वातुरिंड का दान किया गया। जिसमें एक किडनी अहमदाबाद निवासी रतन संदीप वाघेला उम्र 36 वर्ष, लीवर अहमदाबाद निवासी अल्पेश दिनेश चंद्र भलायी उम्र 45 वर्ष। जबकी स्वातुरिंड का ट्रांसप्लान्ट मांगरोल के निवासी पोपट मेरु खेडेदरा उम्र 39 वर्ष में किया गया।



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

16 વર્ષના મીતને બ્રેનડેડ જાહેર કરાતા તેની કિડની 66 વર્ષના રાજેન્ડ સયાનીયામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ, લીવર અને સ્વાદુપિંડ પણ ડોનેટ કર્યું

મીત ચાર જણાનાં ચહેરે લાવ્યો 'સ્મિત'

ધો. 10ની બોર્ડની પરીક્ષાને 5 દિવસ બાકી હતા, મીત પિતા સાથે ફોટોકોપી કરાવવા નીકળ્યો ત્યારે ટ્રેકે ટક્કર મારતાં મોત, 4ને નવું જીવન આપતો ગયો

શિલ્પિએંડ કુલુ

ખલ્લાને નવજીવન બસ્યું હતું. અમદાવાદના રતનભેન વાલેવા (36), ભીલાડના રાજેન્ડ સયાનીયા (36), ભીલાડના રાજેન્ડ સયાનીયા (66)ને કિડની, અમદાવાદના અલ્યેસા બલાલી (45)ને લીવર અને અન્ટિક્રૂપાના માયાના બાળે કેંદ્ર બાદ બ્રેન ડેડ જાહેર કરાયો હતો. પરિવારે મીતના અંગેનું દ્રાશું કરી ચાર અભિજ્ઞાને જીવદાન બસ્યું હતું. બોર્ડની પરીક્ષાની રેપાની કરી રહેલા મીતને સ્વાદુપિંડ દાન કરવામાં આવ્યું હતું. પરિવારે મીતના અંગેનું દ્રાશું કરી રહેલા મીતને બ્રેન ડેડ જાહેર કરાયાં હતો. મીતને બ્રેન ડેડ જાહેર કરાયાં હતો.

બોર્ડની પરીક્ષાની રેપાની કરી રહેલો મીત જુવનની પરીક્ષામાં છારી ગયો વલ્લા કિલ્લાના ઉમરગ્રામ તાલુકાના દહેલી વાગે રહેતો મીત બરત પટેલ (16) ભીલાડના સ્વામિનારાયજા ગુરુજીના થો. 10માં અભ્યાસ કરતો હતો. ગત તારીખ 2લાંબે મીત પોતાના પિતા ભરતાભાઈ રાયે બાઈંડ પર અભ્યાસને વાતાની સામગ્રીની એરોઝ્ઝ કરાવવા હઈ રહો હતો. દરમિયાન ભીલાડ સ્ટેટ બેન્ક ઓફ ઈન્ડિયા પાલે હું બાઈંક ટક્કર મારતાં હોલી જીન પર પડકાયો હતો અને તેની માયા, અભ અને કાતીના મારતાં હોલી જીન પર પડકાયો હતો અને તેની માયા, અભ અને કાતીના મારતાની રેઠનનો હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આયો હતો ત્યારે બાદ રાતે 11. 30 ગંધે સુરતની માયાવિર હોસ્પિટલમાં ખેસેડામાં આવ્યો હતો. એનેલ લાઈં દ્રાશું કરી રહેલા મીતના પરિવારનોને અંગ્રેન અંગે સમજ મીતને બ્રેન ડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યો હતો. આપવામાં આવી હતો.

બોર્ડની પરીક્ષાની રેપાની કરી રહેલો મીત જુવનની પરીક્ષામાં છારી ગયો



662 લોકોને નવું જીવન

ભાઈના મોતના દર્દ સાથે મીતનો જોડિયા ભાઈ બોર્ડની પરીક્ષા આપ્યો વલ્લા કેટલાક વર્ષોથી બ્રેન ડેડ અભિજ્ઞાના અંગેનું અધ્ય અભિજ્ઞાના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરી લોકોને નવું જીવન આપવા કરું કરતો. મીતનો જોડિયા ભાઈ બોર્ડની પરીક્ષાની રેપાની કરી રહ્યો હતો, બેને બાઈંગ્ઝો સાથે જોડની રેપાનોની રેઠનનો અસર લાયા. એક કુટનાં આ મેરૂન હતું અને મીતનો જોડિયાનો અસર લાયા. એક કુટનાં આ મેરૂન હતું અને મીતની આંગે બોર્ડની રેપાની કરી રહ્યો હતો. મીત અને મનના પિતા ભરતાભાઈને જ્ઞાનાં હું કે મારા ઈકરાનું મેરુન નિશ્ચિત હતું. દોષીના લાડકવાનને નવજીવન મળે એટલે અંગ્રેન માટે આગળ આવ્યો હું.

બોર્ડની પરીક્ષા પહેલા માનવતાની પરીક્ષામાં પાસ કોળી પટેલ સમાજના બ્રેનડેડ ધો-૧૦ના વિદ્યાર્થીના અંગાદાનથી ૪ વ્યક્તિને નવજીવન

(પ્રતિનિધિત્વ દાર)

સુરત, શુક્રવાર

ભીલાડ રોડ પર અક્સમાતમાં ઈંજી થયા બાદ ધો. ૧૦નો વિદ્યાર્થી બ્રેનડેડ જાહેર કરાયો હતો. ત્યારાબાદ તેમના પરિવારના સભ્યોને વિદ્યાર્થીની કિડની, લીવર, સ્વાદુપિંડનું દાન કરતા ચાર વ્યક્તિને નવજીવન આપીને માનવતા મહેકાવી અને સમાજમાં નવી ટિથા બતાવી છે.

પ્રાપ્ત વિગત મુજબ વલ્લાના ઉમરગ્રામ તાલુકામાં ભીલાડ ચાર રસ્તા પાસે દહેલી જામામણ ખુલાતપાડા ક્ષિયાની રહેતા છૃપ વર્ષીય ભરતાભાઈ ડીકાલાઈ પટેલ જાત. ૨૨મીએ બપોરે તેમના ૧૯ વર્ષીય પુત્ર મીત સાથે જેરેલ કરાવવા બાઈક ઉપર હઈ રહ્યો હતો. ત્યારે ભીલાડ સ્ટેટ બેન્ક ઓફ ઈન્ડિયા પાસે અજ્ઞાયા ટ્રેકે તેમને અડકટે કરાયો હતો. બાદાર આવતા પ્રેટિડેડ જાહેર કરાયો હતો.

ઇજાગ્રસ્લ મીતને પ્રથમ વાપી બાદ સુરતની ખાનાની હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા બાદ નિદાનમાં



મગજનમાં લોહીનું પરિભ્રમણ બંધ થયાનું બાદાર આવતા પ્રેટિડેડ જાહેર કરાયો હતો.

આ અંગે ડોનેટ લાઈફને જ્ઞાન થતા મીતના પરિવારને અંગાદન અંગે સમજ અપાતા તેઓ તે માટે સંમત થયા હતા.

દાનમાં મળેલી એક કિડની અમદાવાદના રહેવારીની રતનભેન સંદીપ વાલેવા (૩.૧.૩૬), બીજા કિડની ભડુયાના રાજેન્ડ-સિસ્ટ મુણ્ણભાઈ સયાનીયા (૩.૧.૬૬), લીવર અને અમદાવાદના અલ્યેસા દિનશાંદ્ર બલાલી (૩.૧.૪૫) અને સ્વાદુપિંડ માં ગરોળના પોપટભાઈ મેરુભાઈ અંડેડર (૩.૧.૩૮) ને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. મીત ભીલાડની શાળામાં અભ્યાસ કરતો હતો અને દાલમાં બોર્ડની પરીક્ષાની રેપાની કરી રહ્યો હતો. તેનો ભાઈ મન પણ ધો-૧૦માં ભલ્લો છે. મોટિબહેન આયુષી કોલેજના ફર્સ્ટ યરમાં છે. પિતા કંપનીમાં નોકરી કરે છે.

ભીલાડના ખુલાતપાડા ફળિયામાં મીત પટેલની વિદ્યાયના શોક સાથે અન્યોને નવજીવન મળ્યાનો સંતોષ: કિડની, લીવર, સ્વાદુપિંડનું દાન કરાયું



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

ભીલાડ ખાતે અકુર્સમાતનો ભોગ બનેલા ધો. ૧૦ના વિદ્યાર્થીના અંગોનું દાન કરાયું

જોડીયા ભાઈઓ પૈકી
મીતનો જીવનદીપ
બુઝાય તે પહેલા તેના
અંગદાનથી ચાર લોકોને
નવજીવન મળ્યું

સુરત : ભીલાડ ખાતે ઝેરોક્ષ કરાવવા માટે પિતા સાથે નીકળેલા ધોરણ ૧૦ના વિદ્યાર્થીની બાઈકને ટ્રક ચાલકે અડફેટે લેતા બ્રેઇન ડેડ જાહેર કરાતા પરિવાર દ્વારા તેના અંગોનું દાન કરતા અન્ય ચાર યુવાનોની નવજીવન મળ્યું છે.

ઉમરગામ તાલુકાના ભીલાડના દહેલી ખાતે ખુલાતાપાડા ફળિયામાં રહેતા ભરતભાઈ કીકાભાઈ પટેલ હાલ સરીગામે આવેલી ખાનગી મેડિકલ કંપનીમાં ઈલેક્ટ્રોશ્યન તરીકે નોકરી કરે છે. તેઓના બે જોડીયા પુત્ર મીત અને મન હાલ ભીલાડમાં આવેલા સ્વામીનારાયણ ગુરુલુણમાં ધોરણ ૧૦માં અભ્યાસ કરે છે. જ્યારે તેમની પુત્રી સેલવાસની એસએસએસાર કોલેજમાં એસવાય બીકોમમાં અભ્યાસ કરે છે. ગત તારીખ ૨૬મી ફેબ્રુઆરીના રોજ મીતને ઝેરોક્ષ કરાવવાની હોવાથી પિતા ભરતભાઈ સાથે બાઈક પર ઝેરોક્ષ કરાવવા નીકળ્યો હતો. ત્યારે ભીલાડ સેટ બેંક ઓફ ઈન્ડિયા પાસેથી પસાર થતી વેળા અજાણી ટ્રેકના ચાલકે પિતા-પુત્રની બાઈકને અડફેટ લઈ નાસી છુટ્યો હતો. આ ઘટનામાં મીતને માથામાં તેમજ કમર અને છાતીના ભાગે ગંભીર ઈજા પહોંચ્યા ગંભીર ઈજા પહોંચ્યા ચાલતા તેને વાપીની ખાનગી હોસ્પિટલમાં પ્રાથમિક સારવાર લઈ વધુ સારવાર અર્થે સુરતની સ્થાનિક હોસ્પિટલમાં દાખલ



કરવામાં આવ્યો હતો. જ્યાં તેનું સીટી સ્કેન કરાવાતા નાના મગજમાં લોહીનું પરિબ્રમણ બંધ થઈ ગયું હતું અને મગજ પર સોઝો પણ હોવાનું નિદાન થયું હતું. બે દિવસની સારવાર બાદ તબીબોસ મીતને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યો હતો.

આ અંગે ડોનેટ લાઈફને જાણ કરાતા આગેવાનો હોસ્પિટલ ખાતે દોડી આવ્યા હતા અને પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. જેથી પરિવારે પણ અંગદાન માટે સંમતિ આપતા બે કિડની, એક લીવર અને એક સ્વાહુપિંડનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. દાનમાં આવેલી બે કિડની પૈકીની એક કિડની અમદાવાદના રહેવાસી રતનબેન સંદ્રિપભાઈ વાધેલા અને બીજી કિડની ભરુચના રહેવાસી રાજેન્દ્રસિંહ મૂળજીભાઈ સયાનીયામાં, જ્યારે લિવર અમદાવાદના રહેવાસી અલ્યેશ દિનેશચંદ્ર ભલાણીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે સ્વાહુપિંડ માંગરોળના રહેવાસી પોપટભાઈ મેરુભાઈ ઓડેરામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

જોડિયા બાળકો પૈકી એકના મોતથી પરિવારમાં શોક

વલસાડ કોળી પટેલ સમાજના તરણના અંગદાનથી ચારને નવજીવન મળ્યું

બોર્ડની તૈયારી માટે પિતા સાથે જતી વખતે ભિલાડ પાસે અક્ષમાત નડ્યો

| સુરત |

વલસાડના કોળી પટેલ સમાજના બેઈનડેડ તરણના અંગોના દાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. ધોરણ-૧૦ની પરીકાની તૈયારી માટે પિતા સાથે બાઈક પર જેરોકા કરાવવા જતી વખતે અક્ષમાત નડતા આ ઘટના બની હતી. જોડિયા બાળકો પૈકી એક પુત્રના મોતને પગલે પરિવારજનો ધેરા આધાતમાં દૂબી ગયા છે.

વલસાડ, ઉમરગામના દહેલી ગામમાં આવેલા ખુલાત પાડા ફળિયામાં રહેતો મીત ભરતભાઈ પટેલ (ઉ.વ.૧૬) ધોરણ-૧૦માં અભ્યાસ કરતો હતો. ભીલાડમાં આવેલી સ્વામીનારાયણ ગુરુઙુણ સ્કૂલમાં ભણતા મીત અને તેના ભાઈ મનની આગામી દિવસોમાં બોર્ડની પરીકા હોય તૈયારી ચાલી રહી હતી. દરમિયાન ગત તા. ૨૬મીએ મીત પિતા ભરતભાઈ સાથે બાઈક પર મહત્વની નોટ્સની જેરોકા કરાવવા જઈ રહ્યો હતો. તે સમયે ભીલાડ સ્ટેટ બેંક ઓફ ઇન્ડિયા પાસે તેમને બેઝામ આવતી ટ્રેકના ચાલકે ટક્કર મારતા મીતને ગંભીર



ઇજાઓ થઈ હતી. તેને ગંભીર હાલતમાં સુરતની હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો હતો. જ્યાં ગઈકાલે તબીબોની ટીમે મીતને બેઈનડેડ ઘોષિત કરી ડોનેટ લાઈફની ટીમનો સંપર્ક કર્યો હતો. ડોનેટ લાઈફના સભ્યોએ આપેલી સમજ્ઞા બાદ મીતના પરિવારે તેના અંગોનું દાન કરવાનું નક્કી કર્યું હતું. મીતની એક કિડની અમદાવાદના રતનબેન વાધેલા (ઉ.વ.૩૬), બીજી કિડની ભર્યાના

રાજેન્દ્રસિંહ સયાનીયા (ઉ.વ.૬૬), લિવર અમદાવાદના અલ્યેશ ભલાણી (ઉ.વ.૪૫) અને સ્વાદુપિંડ માંગરોળના પોપટ ઓડેદરા (ઉ.વ.૩૮)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. અત્યાર સુધીમાં સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૨૮૫ કિડની, ૧૧ લિવર, ૭ પેન્ડિકાસ, ૧૧ હદ્ય અને ૨૭૪ ચક્કુ દાનમાં મેળવી હ્યુર્ર વ્યક્તિને નવજીવન અને નવી રોશની બદ્ધી છે. છેલ્લાં કેટલાક સમયથી સુરત સહિત સમગ્ર દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અંગદાન કરનારાઓની સંખ્યામાં સતત વધારો થઈ રહ્યો છે.



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

ધોરણા-૧૦ની પરિક્ષાની તૈયારી કરતો વિદ્યાર્થી

અકસ્માત બાદ બેઈન ડેસ : અંગદાનથી ચારના જીવન બચાવ્યા

પ્રતિનિધિ દ્વારા

■ સુરત, ટા. ૦૧

વલસાડ જિલ્લાના ઉમરગામ તાલુકાના ભીલાડ ચાર રસ્તા પાસે દહેલી ગામમાં રહેતા અને ધોરણ ૧૦નો અભ્યાસ કરતાં વિદ્યાર્થીને એક્સિસન્ટ બાદ બ્રેનડેડ જાહેર કરાયો હતો. બાદમાં વિદ્યાર્થીના અંગોના દાન કરાયું હતું. કોણી પટેલ સમાજના બ્રેનડેડ મીત ભરતભાઈ પટેલના પરિવારે કિડની, લિવર અને સ્વાદુપિણનું દાન કરી ચાર વ્યક્તિઓને નવજીવન આપીને માનવતાની મહેક પ્રસારી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.

ભીલાડમાં આવેલ સ્વામીનારાવાણ ગુરુકુળમાં ધોરણ-૧૦ માં અભ્યાસ કરતાં



૧૯ વર્ષિય મીત ભરતભાઈ પટેલ પિતા સાથે ગત ૨૬મીના બાઈક પર બેસીને ઝેરોક્ષ કરાવવા જઈ રહ્યો હતો. ત્યારે ભીલાડ સ્ટેટ બેન્ક ઓફ ઇન્ડિયા પાસે એક અજ્ઞાયું ટ્રક ચાલકે બાઈકને ટક્કર મારતા મીત બાઈક ઉપરથી નીચે પડી ગયો

રાને સાડા અગ્નિયાર કલાકે ઢા.

કરસન નંદાનીયાની સારવાર ડેઢણ દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી. નિદાન માટે સીટી સ્કેન કરાવતા નાના મગજમાં લોહીનું પરિબ્રમણ બંધ થઈ થઈ ગયું હતું. તેમજ મગજ ઉપર સોઝો હોવાનું નિદાન થયું હતું. અને બ્રેનડેડ જાહેર

કરવામાં આવ્યો હતો.

એક ભાઈ અને બહેન ધરાવતાં મિત્રના અંગોના દાન અંગે પરિવારને સમજાવવામાં આવ્યું હતું. પરિવાર પણ મિત્રના અંગો દ્વારા અન્યોને નવજીવન મળતું હોય તો તેઓ તૈયાર હતાં. મિત્રના પિતા ભરતભાઈએ જણાયું કે, મારો ટીકરો બ્રેનડેડ હોસ્પીટલમાં મહાવીર ટ્રોમા હોસ્પીટલમાં

કોઈના લાડકવાયાને નવજીવન મળતું હોય તો અંગદાન માટે આપ આગળ વધો.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલ કિડની પેકી એક કિડની અમદાવાદના રહેવાસી રતનભેન સંટીપ વાવેલા ૩.૧. ૩૬, બીજી કિડની ભરુચના રહેવાસી રાજેન્ડ્રસિંહ મુજજુભાઈ સયાનિયા

૩.૧.૬૬, લિવર અમદાવાદના રહેવાસી અલ્યેશ દિનેશચંદ્ર ભલાણી ૩.૧. ૪૫, જ્યારે સ્વાદુપિણનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માંગરોળના રહેવાસી પોપટભાઈ મેરુભાઈ ઓડેરા ૩.૧. ૩૮માં અમદાવાદની IKDRC ખાતે ગે. પ્રાંજલ મોહી, ડૉ. જમાલ રીજવી અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે.



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January 2006 to 01st March 2019

285

KIDNEYS

118

LIVERS

7

PANCREAS

21

HEARTS

234

CORNEA

Which has given new lease of life &
vision to 662 persons across the country & globe